


---

# Shiva Stuti Jnanarikrita

——  
शिवस्तुतिः शिवस्तुतिः

——  

## Document Information



---

Text title : Shiva Stuti Jnanarikrita

File name : shivastutiHjnAnArikRRitA.itx

Category : shiva, mudgalapurANa, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Yash Khasbage, Preeti Bhandare

Description/comments : mudgalapurANaM tRitIyaH khaNDaH | adhyAyaH 44 | 3.44. 17-27||

Latest update : June 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 5, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Shiva Stuti Jnanarikrita

---

### ज्ञानारिकृता शिवस्तुतिः

---



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ज्ञानारिकृताय ।

नमस्ते शङ्करायैव पार्वतीसखिताय ते ।

वृषध्वजाय शैलादिवालनाय नमो नमः ॥ १७ ॥

अव्यक्तदेवाय च शिवाय शूलप्रधारिणे ।

निर्गुणाय गुणानां ते खालकाय नमो नमः ॥ १८ ॥

सदाशिवाय मायाया आधाराय नमो नमः ।

मायामोडविहीनाय शम्भवे ते नमो नमः ॥ १९ ॥

सृष्टेः कर्त्रे च पात्रे ते संकर्त्रे त्रिस्वरूपिणे ।

अनाथाय च सर्वेषां नाथाय परमात्मने ॥ २० ॥

यरायरस्वरुपाय नमोऽयरयरात्मने ।

महादेवाय देवानां पतये ते नमो नमः ॥ २१ ॥

मनोवागतिरुपाय योगिध्येयाय ते नमः ।

योगिनां पतये यैव मलेश्वर नमोऽस्तु ते ॥ २२ ॥

धन्यो वंशो मदीयोऽद्य येन दृष्टो मलेश्वरः ।

तपो ज्ञानं पिता माता धन्या मे नाऽत्र संशयः ॥ २३ ॥

प्रसन्नोऽसि मलेशान तदा देहि महाप्रभो ।

यरायरस्य वै राज्यं तस्मान् मृत्युर्न मे भवेत् ॥ २४ ॥

यथादिश्यामि देवेश तत्तत् सिद्ध्यतु सर्वदा ।

आरोग्यादि समायुक्तं मां कुरुष्व सदाशिव ॥ २५ ॥

तथेति शिव ॐ तमन्तर्धानं यकार ७ ।

स दैत्यो ऽर्षितोऽत्यन्तं स्वगृहं प्रत्यपधत् ॥ २६ ॥

(इलश्रुतिः)

ज्ञानारिकृतमेतत्तु स्तोत्रं पठति यो नरः ।

शृणोति शङ्करस्तस्मै वाञ्छितं ददते परम् ॥ २७ ॥

एति ज्ञानारिकृता शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ मुद्गलपुराणं तृतीयः ँडः । अध्यायः ४४ । ३.४४। १७-२७ ॥


- .. mudgalapurANaM tRRitIyaH khaNDaH . adhyAyaH 44 . 3.44. 17-27..

Proofread by Yash Khasbage, Preeti Bhandare

---

——  
*Shiva Stuti Jnanarikrita*

pdf was typeset on June 5, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

